[डा. प्रदीप कुमार बालमुचू]

दूसरे फेज़ की शुरूआत के लिए हमारे गडकरी साहब ने पिछले साल ही शिलान्यास किया था। वह काम भी शुरु होने को था, लेकिन दुखद बात है कि उस रोड के लिए अभी तक जमीन का भी अधिग्रहण नहीं हुआ है। अभी तक लोगों को मुआवजा नहीं मिला है और वहां मुआवजे के लिए लड़ाई चल रही है। यह लड़ाई इसलिए चल रही है कि हाईवे की जमीन को यह सरकार 1300 रूपए प्रति डिसमिल के दाम पर लेना चाहती है, जबकि वहीं पर सर्किल रेट छः हजार से ज्यादा है, मगर गांव वालों को मात्र 1300 रूपए डिसमिल दिया जा रहा है। आप समझ लीजिए कि अगर जंगल में भी हम जमीन लेंगे तो भी 1300 रूपए डिसमिल में नहीं मिलेगी। इसलिए वहां किसान विरोध कर रहे हैं, जो जमीन के मालिक हैं, वे भी विरोध कर रहे हैं कि हमको उचित मुआवजा मिलना चाहिए। सरकार कहती है कि हम चार गुना, पांच गुना देंगे। अब वहां पर जो मार्केट रेट है, वह आप नहीं दे रहे हैं, इस कारण विरोध हो रहा है। इसलिए मैंने कहा कि यह जो दूसरा फेज़ है, जहां अभी काम शुरू नहीं हुआ है और जो पहला फेज़ है उसका ही हाल ऐसा है, जिससे हमें लगता है कि अभी चार साल और लगेंगे, तब जाकर यह कम्प्लीट होगा।

उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि यह चार साल का समय बहुत लम्बा होता है और जैसा मैंने पहले कहा कि यह एन.एच.–33 झारखंड की लाइफलाइन है, इसलिए सरकार उस कांट्रेक्टर पर दबाव डाले कि वह काम जल्दी पूरा करें।

श्री विवेक गुप्ता (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

Concern over distress in North-East Region

SHRIMATI WANSUK SYIEM (Meghalaya): Sir, there is an urgent need to resolve the issue of law and order in Nagaland. At a time when Manipur is going to polls soon, it gives much relief to hear that the highway blockade in the State is being lifted with all stakeholders agreeing to end the blockade, which had crippled normal life in Manipur in the last three months. However, another threat has emerged with the protests in Nagaland turning violent day by day over thirty-three per cent reservation for women in local body elections. The violence has forced the State Government to cancel the local body polls to defuse the mounting tension.

By and large, women in the North-East enjoy rights and social status on a par with men. While Naga women are more respectful towards Naga culture, tradition and customary laws, they are equally aspiring to adapt to new ideas and change economically and socially. There is still domination by men who exert their patriarchal superiority.

Sir, as a woman parliamentarian from the North-East, I empathise with my sisters in Nagaland in their just struggle for a dignified social and political status on a par with their menfolk.

Attempts to tamper with the constitutional provisions protecting the Naga culture,

customs and traditions will only worsen the situation. Apart from resorting to the option of amending the relevant clause in the Constitution to facilitate implementing the 33 per cent reservation policy for women in local body elections, we should explore a more acceptable solution without further weakening the cordial and peaceful atmosphere in the State of Nagaland, which is very essential for the development and stability in the whole region of North-East.

I call upon the Central Government to take initiatives to bring all the stakeholders together to thrash out a workable and peaceful solution of the problem. Thank you.

श्री मोहम्मद अली खान (आंध्र प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

† **جناب محمد علی خان (آندھرا پردیش):** مہودے، میں مانّنے سدسئے کے ذریعے اٹھائے گئے وشئے سے خود کو سمبدّھہ کرتا ہوں۔

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़) : महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

SHRIMATI JHARNA DAS BAIDYA (Tripura): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shrimati Wansuk Syiem.

DR. PRADEEP KUMAR BALMUCHU (Jharkhand): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shrimati Wansuk Syiem.

SHRI SANTIUSE KUJUR (Assam): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shrimati Wansuk Syiem.

SHRIMATI M. C. MARY KOM (Nominated): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shrimati Wansuk Syiem.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shrimati Wansuk Syiem.

Alleged harassment of farmers in loan recovery by Banks

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार) : उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान किसान की बदहाली की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं कि आज किस प्रकार से किसान बाढ़, सुखाड़ और कम कीमत के कारण परेशानी झेल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर किसान बैंक से जो ऋण लेते हैं, उनको ऋण वसूली के लिए किस प्रकार से तंग और तबाह किया जाता है, यह किसी से छुपी हुई बात नहीं है, पूरा सदन इस बात को जानता है और गरीब किसान लोग भी इसे

† Transliteration in Urdu script.